



10. द्वंद्व समास के दोनों पद प्रधान होते हैं। इस समास में 'और' शब्द का लोप हो जाता है जैसे - राजा-रानी द्वंद्व समास है जिसका अर्थ है राजा और रानी। पाठ में कई स्थानों पर द्वंद्व समासों का प्रयोग किया गया है। इन्हें खोजकर वर्णमाला क्रम (शब्दकोश-शैली) में लिखिए।

उत्तर:- छोटी-बड़ी
दुबली-पतली
भाव-भंगी
माँ-बाप

11. नदी को उलटा लिखने से दीन होता है जिसका अर्थ होता है गरीब। आप भी पाँच ऐसे शब्द लिखिए जिसे उलटा लिखने पर सार्थक शब्द बन जाए।
प्रत्येक शब्द के आगे संज्ञा का नाम भी लिखिए, जैसे - नदी-दीन (भाववाचक संज्ञा)

उत्तर:-

नव	वन	जातिवाचक संज्ञा
राम	मरा	भाववाचक संज्ञा
राही	हीरा	द्रव्यवाचक संज्ञा
धारा	राधा	व्यक्तिवाचक संज्ञा
नामी	मीना	व्यक्तिवाचक संज्ञा

12. समय के साथ भाषा बदलती है, शब्द बदलते हैं और उनके रूप बदलते हैं, जैसे - बेतवा नदी के नाम का दूसरा रूप 'वेत्रावती' है। नीचे दिए गए शब्दों में से ढूँढ़कर इन नामों के अन्य रूप लिखिए -

सतलुज
रोपड़
विपाशा
झेलम
चिनाब
अजमेर
बनारस
वितस्ता
रूपपुर
शतद्रुम
वाराणसी
अजयमेरु

उत्तर:-

सतलुज	शतद्रुम
झेलम	वितस्ता
रोपड़	रूपपुर
अजमेर	अजयमेरु
विपाशा	चिनाब

13. 'उनके खयाल में शायद ही यह बात आ सके कि बूढ़े हिमालय की गोद में बच्चियाँ बनकर ये कैसे खेला करती हैं।'

• उपर्युक्त पंक्ति में 'ही' के प्रयोग की ओर ध्यान दीजिए। 'ही' वाला वाक्य नकारात्मक अर्थ दे रहा है। इसीलिए 'ही' वाले वाक्य में कही गई बात को हम ऐसे भी कह सकते हैं - उनके खयाल में शायद यह बात न आ सके।

• इसी प्रकार नकारात्मक प्रश्नवाचक वाक्य कई बार 'नहीं' के अर्थ में इस्तेमाल नहीं होते हैं, जैसे-महात्मा गांधी को कौन नहीं जानता? दोनों प्रकार के वाक्यों के समान तीन-तीन उदाहरण सोचिए और इस दृष्टि से उनका विश्लेषण कीजिए।

उत्तर:-

ही के प्रयोग वाले वाक्य	नहीं के प्रयोग वाले वाक्य
<ul style="list-style-type: none"> • वे शायद ही यह काम पूरा करें। • उन्होंने शायद ही जाना हो कि मैं अस्वस्थ हूँ। • मेरे ध्यान में शायद ही तुम्हारा खयाल आए। 	<ul style="list-style-type: none"> • कंस के षडयंत्र को कौन नहीं जानता? • आज मोदीजी को कौन नहीं जानता? • राजमाता के स्वभाव को कौन नहीं पहचानता?

***** END *****